नाम _____ कक्षा _____

तेजू और धीरू

एक खरगोश था जिसका नाम तेजू था। तेजू बहुत तेज़ दौड़ता था। उसे अपनी तेज़ी पर घमंड था। एक दिन तेजू ने एक कछुए को देखा, जिसका नाम धीरू था। धीरू बहुत धीरे-धीरे चलता था।

तेजू ने धीरू का मज़ाक उड़ाया और कहा, "हा हा हा! तुम तो इतने धीरे हो! क्या तुम कभी मेरे साथ दौड़ लगाओगे?"

धीरू ने कहा, "ठीक है, दौड़ लगाते हैं।"

दौड़ शुरू हुई। तेजू बहुत तेज़ी से आगे निकल गया। उसने सोचा, "कछुआ तो बहुत पीछे है। मैं थोड़ी देर आराम कर लेता हूँ।"

तेजू एक पेड़ के नीचे लेट गया और उसे नींद आ गई।

धीरू धीरे-धीरे, बिना रुके, चलता रहा और खरगोश से आगे निकल गया। जब तेजू की नींद खुली, तो उसने देखा कि धीरू तो जीत गया था!

तेजू को अपनी गलती का एहसास हुआ।

प्रश्न 1 . खरगोश का नाम क्या था?

प्रश्न 2 . तेजू को किस बात पर घमंड था?

प्रश्न ३ . दौड़ में कौन जीता?